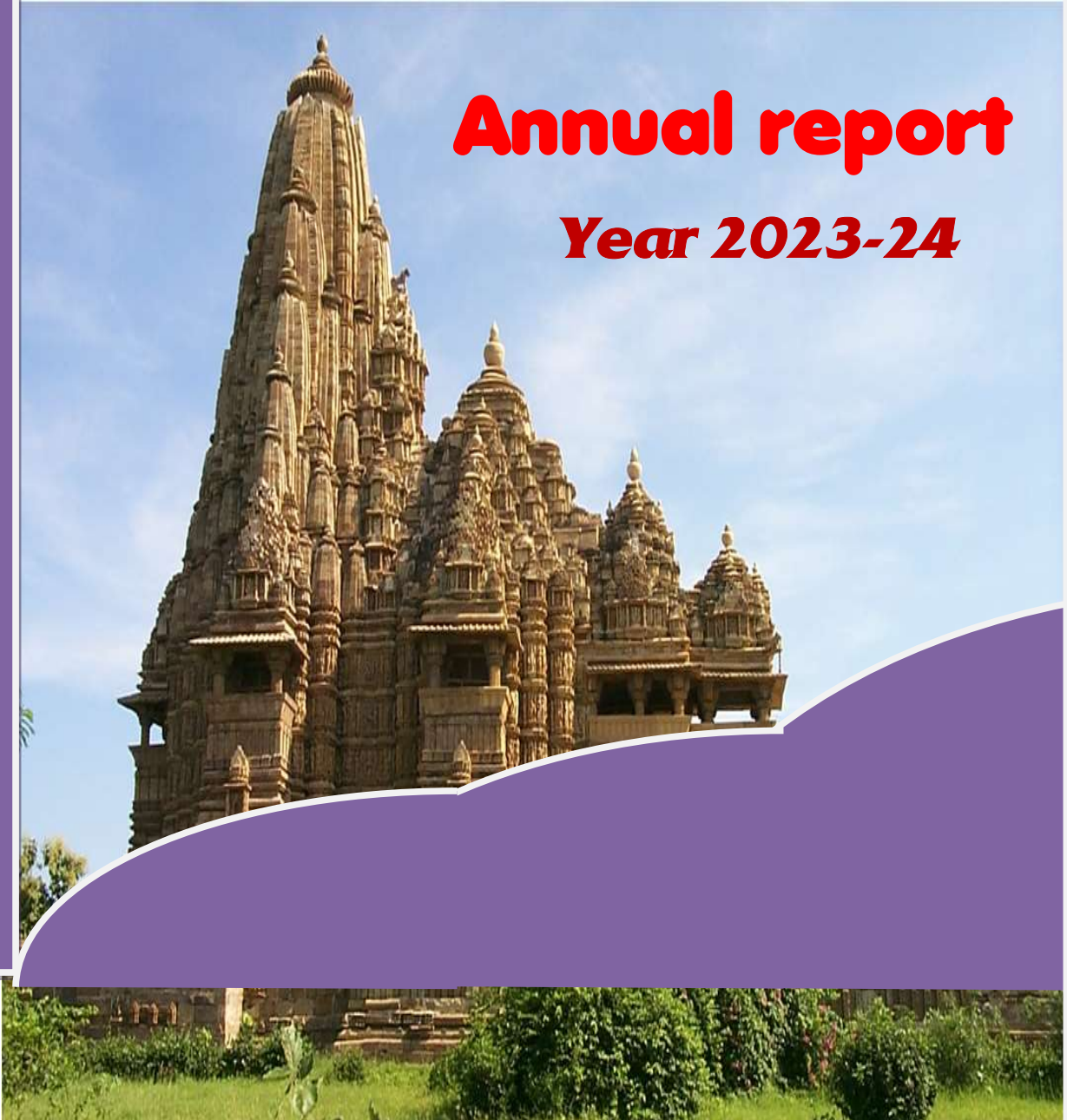




# ***Darshna Mahila Kalyan Samiti Chhatarpur MP***

## **Annual report**

### **Year 2023-24**



## दर्शना महिला कल्याण समिति छतरपुर

पंजीयन – SC/2532 एसोसायटी एक्ट, एफसीआरए, 12एए, 80 जी,  
कार्यानुभव – वर्ष 1999 से निरंतर

### परिचय

बुन्देलखण्ड के हृदय स्थल छतरपुर में संस्था समाज सेवा में रत एक स्वैच्छिक लाभकारी एवं गैर राजनैतिक संस्था है, जो सामाजिक विकास की प्रक्रिया को तेज करने में संलग्न है। संस्था का पंजीयन 26 मई 1999 को हुआ जिसका पंजीयन क्रमांक एस.सी./2532 है संस्था फॉरेनकंट्रीब्यूसन (रेग्युलेशन) एक्ट 1976 के अंतर्गत पंजीकृत है तथा 80 जी ,12एए एवं पंचायत एवं समाजिक न्याय विभाग तथा महिला एवं बालविकास विभाग मध्यप्रदेश शासन तथा नेहरु युवाकेंद्र से मान्यता प्राप्त है।

उद्देश्य –

- समाज के प्रत्येक जाति के लोगों का बराबरी एवं अधिकारों के साथ जीवन यापन हो।
- महिला पुरुषों में बराबरी हो।
- स्वास्थ्य शिक्षा सभी तक पहुंचें।
- प्रत्येक विकास कार्य में समाज की भागीदारी सुनिश्चित हो।
- शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे।
- प्राकृतिक संसाधनों का उचित प्रबंधन हो।
- प्रत्येक विकासशील कार्य करने हेतु प्रत्येक व्यक्ति संक्षम हो।

दृष्टि एवं लक्ष्य :-

दर्शना का विजन समाज में महिलाओं को समाज में बराबरी का दर्जा दिलाना है। लिंग भेद समाप्ति एवं अत्याचार अनाचार से मुक्त समाज की स्थापना के साथ-साथ स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा स्व रोजगार स्थापित कराकर आर्थिक स्वावलंबन संस्था का मुख्य लक्ष्य है जिसे लोग सुरक्षित परिवेश में सम्मानजनक जीवन की सांस ले सकें साथ ही समाज के मुख्य धारा से वंचित सभी समाज के लोगो को पुनः समाज में उचित स्थान प्राप्त हो सकें।

कार्यक्षेत्र:- संपूर्ण भारत  
कार्यनीति

- ग्रामीण सहभागी मूल्यन (पीआरए) पद्धतियों एवं बेस लाईन सर्वे के माध्यम से ग्रामों की वास्तविक स्थिति ज्ञात करना।
- लोगो के साथ बैठकों एवं संवाद स्थापन के द्वारा सहभागी नियोजन एवं कार्यक्रम का निर्धारण कर लोगों की सहभागिता से कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करना।
- प्रचार-प्रसार के विभिन्न माध्यमों जैसे प्रचार सामग्री, नुक्कड़ नाटक, कला जत्था, पोस्टर, प्रदर्शनी, रैली तथा एक्सपोजरविजिट आदि के माध्यम से योजनाओं की जानकारी देना।
- विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों की क्षमताओं में वृद्धि करना।
- समूहों के माध्यम से संगठनात्मक एवं सृजनात्मक कार्य करना।

संस्था द्वारा वर्ष 1999 से पूर्ण की परियोजनाएँ-

स्वाशक्ति (IFAD), प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (संभव समाजसेवी संस्था), जिला गरीबी उन्मूलन परियोजना (डीपीआईपी) ग्रामीण पर्यटनविकास, (पंचायत एवंग्रामीणविकास विभाग), सांजी (UNDP एवं भारत सरकार) पैक्स, तारा अक्षर (DFID) एस.जी.एस.वाय. (जिला पंचायत) हाउसिंग प्रोजेक्ट (एच.एफ.एच.आई. डानई दिल्ली). बहेलियापुर्नवास एवंसशक्तिकरणकार्यक्रम (पन्ना टाईगर रिजर्व) सामग्रीनिर्माणपरमहिलाओं का क्षमता व्यवहार (DSTभारत सरकार एवं DA नई दिल्ली) कानून तक पहुच (UNDP एवं DA)बकरी आधारित आजीविका कार्यक्रम बुन्देलखण्ड, आईएनआरएम (सर दोराबजीटाटा ट्रस्ट मुम्बई), मध्यप्रदेश पोषण परियोजना (केयर इण्डिया), तेज स्विनी कार्यक्रम (MPVVN), जोरदार कार्यक्रम (FHI360), सांझी सेहत (FHI360), मै कुछ भी कर सकती हूँ (PFI) म.प्र.न्यूट्रीशनप्रोजेक्ट (Care India),Patient Provider Support Agency (NHM), साथिया सिनेमा कार्यक्रम (UNFPA), चाइल्ड ग्रोथ मॉनिटरिंग (BMZ & WHH), PLA (NHM)

### संस्था द्वारासंचालितपरियोजनाएँ

परियोजना का नाम	वित्तपोषित	समय अवधि	परियोजनाअंतर्गतकिए जा रहेप्रमुख कार्य एवंपरिणाम
दर्शना वृद्ध सेवा आश्रम	सामाजिकन्याय विभाग म.प्र.शासन	2003 से निरंतर	25 वृद्धजन की क्षमता वाले वृद्धाश्रम का सफल संचालन, वृद्ध जनों को भोजन, आश्रय, एवं चिकित्सा की उत्तम निशुल्क सुविधा प्रदान की जाती है। उन्हें पारिवारिक परिवेशउपलब्ध करायाजाताहै।
आजीविका विकास केन्द्र	स्वयं एवंस्थानीय प्रशासन के सहयोग से	2008 से निरंतर	छतरपुर जिले के बमीठा ग्राम मेंसंस्था द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से एक प्रशिक्षण उत्पादन एवं बिक्री केन्द्र स्थापित किया गया। जिसमें ग्राम के आसपास के ग्रामों की महिलायें सीमेण्ट आधारित कम लागत भवन निर्माण सामग्री (प्रीकास्ट) तैयार करती है तथा नये लोगों को यहां प्रशिक्षण दिया जाता है। उत्प्रादित सामग्री का विक्रय भीइसी केन्द्र से किया जाताहै।
लक्ष्य गत हस्तक्षेप परियोजना (पन्ना औरछा)	म.प्र. राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल	अक्टूबर 2008 से निरंतर एवं 2013 से निरंतर	उच्च जोखिम समुदाय के ज्ञान, कोशल एवं द्रष्टि कोण में बदलाव के लिये विभिन्न गतिविधियां की जा रही है जिससे एड्स के प्रसार को रोकने में मदद मिले। इस परियोजना के लिये संस्था पन्ना जिले मेंड्रग यूजर्स 250 एवं एम. एस. एम. 150 के लिये 400 लक्ष्य समूह के साथ कार्यकि या जा रहा है। एवं औरछा जिला टीकमगढ में 400 FSW लक्ष्य समूह के साथ इन्ही प्रयासों के साथकार्य किया जा रहाहै।
आशा प्रशिक्षण माड्यूल 6 एवं 7	एन.आर. एच.एम. भोपाल	अक्टूबर 2011 से निरंतर	म.प्र.शासन के एन.आर.एच.एम. कार्यक्रम के अर्न्तगत आशा,आशा सहयोगी, ए.एन.एम. तथा एल.एच.वी.को माड्यूल 6 एवं 7 का प्रशिक्षण छतरपुर जिले में संस्था द्वारा संचालित है। वर्ष 2023-2024 में आशा प्रशिक्षण माड्यूल 06 एवं 07 में इण्डक्शन NCD, HBYC आशा के बैच समपन्न किये जिसमें आशाओं को प्रशिक्षित किया गया।

डे एनयूएलएम (आश्रय स्थल)	नगरपालिका छतरपुर	मार्च 2017 से निरंतर	भारत सरकार डे एनयूएलएम कार्यक्रम अर्तगत आश्रय स्थल का संचालन किया जा रहा है। उक्त गतिविधि के संचालन की जिम्मेदारी नगरपालिका छतरपुर द्वारा संस्था को जिम्मेदारी दी गई है संस्था इसका संचालन नियमा नुसार कर रही है। उक्त आश्रय स्थल में ऐसे लोगों को आश्रय देने का प्रयास किया जा रहा है। जो कि आश्रय विहीन है तथा होटल आदि का किराया वहन नहीं कर सकते।
राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम	छतरपुर	01 अगस्त 2017 से निरंतर	किशोरों के साथ काम करने की अपार संभावनाओं को ध्यान में रखकर भारत सरकार द्वारा इसे जनवरी 2014 में प्रारंभ किया गया। जिससे किशोर अपने स्वास्थ्य और स्वयं के जीवन के प्रति सोच-समझकर और जिम्मेदारी से निर्णय लेंगे और अपनी पूरी क्षमता हासिल करने में सक्षम हो सकेंगे। मध्य प्रदेश में यह कार्यक्रम 11 जिलों झाबुआ, अलीराजपुर, बडवानी, डिण्डौरी, मण्डला, उमरिया, शहडोल, सिंगरौली, सतना, पन्ना एवं छतरपुर में संचालित किया जा रहा है। उक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के किशोरों में बाल विवाह को खत्म करना, कम आयु में गर्भ के अंतराल को बढ़ाना, पीयर दबाव को कम करना, किशोरों में सही व संतुलित पोषण की जानकारी देना, मानसिक तनाव/अवसाद को कम करना और यौन व प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर ध्यान देने हेतु प्रेरित करना और उनमें सकारात्मक जरिये को प्रोत्साहित करना है। ताकि हम उक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर रह सकें।
लिंक वर्कर स्क्रीम	टीकमगढ़	01 नवम्बर 2017 से निरंतर	लिंक वर्कर स्कीम का उद्देश्य उच्च जोखिम व्यवहार वाली जनसंख्या, जैसे-पुरुष समलैंगिक, महिला यौनकर्मि, इंजेक्शन के द्वारा ड्रग लेनेवाले, भ्रमणशील मजदूर, ट्रक ड्राइवर इत्यादि में एच.आई.वी./एड्स संक्रमण की दर को कम करना है। इसके लिए ऐसे स्वयं सेवी संगठनों के माध्यम से हस्तक्षेप कार्यक्रम क्रिया चिंतित करने की रणनीति बनाई गई है, जो लक्षित जनसंख्या के साथ रह कर कार्य करते हों।
पोषण समृद्ध ग्राम	राजनगर बिजावर	01 सितम्बर 2018 से निरंतर	पोषण समृद्ध कार्यक्रम BMZ एवं WHH के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम बहु आयामी सामाजिक हस्तक्षेपों को शामिल किया गया है। दक्षिणी एसिया में से देशों के लिए इस कार्यक्रम में समाहित गतिविधियाँ कुपोषण उन्मूलन में काफी मदद गार साबित हो रही है वर्तमान में प्रयोग के तौर पर यह कार्यक्रम म.प्र. सहित नेपाल एवं बांग्लादेश में



			भी संचालित है। इस कार्यक्रम में शामिल मुख्य गति विधियाँ पोषण शिविर, स्थाई एकी कृत कृषि प्रणाली पोषण संवेदी नियोजन, पोषण वाटिका एवं सामुदायिक संगठनों का सशक्तिकरण के साथ-साथ LANN+PLA को शामिल किया गया है। ये समस्त गतिविधियाँ WHH द्वारा विभिन्न देशों में की गईं जिनके बेहतर परिणाम देखने को मिले हैं।
म.प्र. टूरिज्म बोर्ड	राजनगर	03 अक्टूबर 2018 से निरंतर	स्थानीय ग्रामीणों के जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि, स्थानीय संस्कृति, कला, शिल्प, स्थानीय तथा ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को प्रोत्साहित करते हुये प्रकृति के संरक्षण के प्रयासों को बढ़ावा देने तथा पर्यटकों को ग्रामीण जीवन शैली के प्रदर्शन, सस्ती / मितव्ययी एवं गुणवत्ता पूर्ण सुविधायें तथा उक्त अनुभवों को अविस्तारणीय बनाने हेतु पर्यटन की व्यवस्था व सुनियोजित विकास हेतु दर्शना महिला कल्याण समिति छतरपुर द्वारा म.प्र. पर्यटन बोर्ड की सहायता से पहल खजुराहो के समीप स्थित ग्रामों को उक्त कार्य के संदर्भ में विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं।
पेयजल एवं पंचायत कार्यक्रम	बक्सवाहा	मई 2024 से निरंतर	Azim premji foundation के वित्तीय सहयोग से संस्था द्वारा पेयजल एवं पंचायत कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पंचायत एवं जल समिति को मजबूत करना एवं पेयजल व्यवस्था को सुनिश्चित करना है। संस्था द्वारा चयनित बक्सवाहा विकासखण्ड की 04 पंचायतों ( बीरमपुरा, निवार, निमानी, मझगुवांघाटी ) के 17 ग्रामों में संचालित किया जा रहा है।

## संस्था में संचालित कार्यक्रमों की प्रगति

### राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (RKSK )

मध्य प्रदेश में शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर तथा सकल प्रजनन दर में कमी लाने हेतु किशोर किशोरियों के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना क्योंकि किशोर भविष्य के समाज एवं देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण संसाधन होते हैं इस बाबत राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम भारत सरकार में 7 जनवरी 2014 को

एवं मध्य प्रदेश के 21 जिले छतरपुर, अलीराजपुर, बड़वानी, झाबुआ, पन्ना, शहडोल, डिंडोरी, मंडल, सतना, सिंगरौली, उमरिया, जिलों में 28 अप्रैल 2014 को तथा दमोह, राजगढ़, विदिशा, टीकमगढ़, शिवपुरी, अशोकनगर, देवास, सीधी, खंडवा, गुना, जिला में विगत वित्तीय वर्ष को लागू किया गया है किशोरावस्था कुल जनसंख्या की 22% आबादी होती है जिसमें किशोर 53 प्रतिशत एवं किशोरिया 47% होती हैं किशोर अवस्था शहरी 26% एवं ग्रामीण 74% प्रतिशत होती है

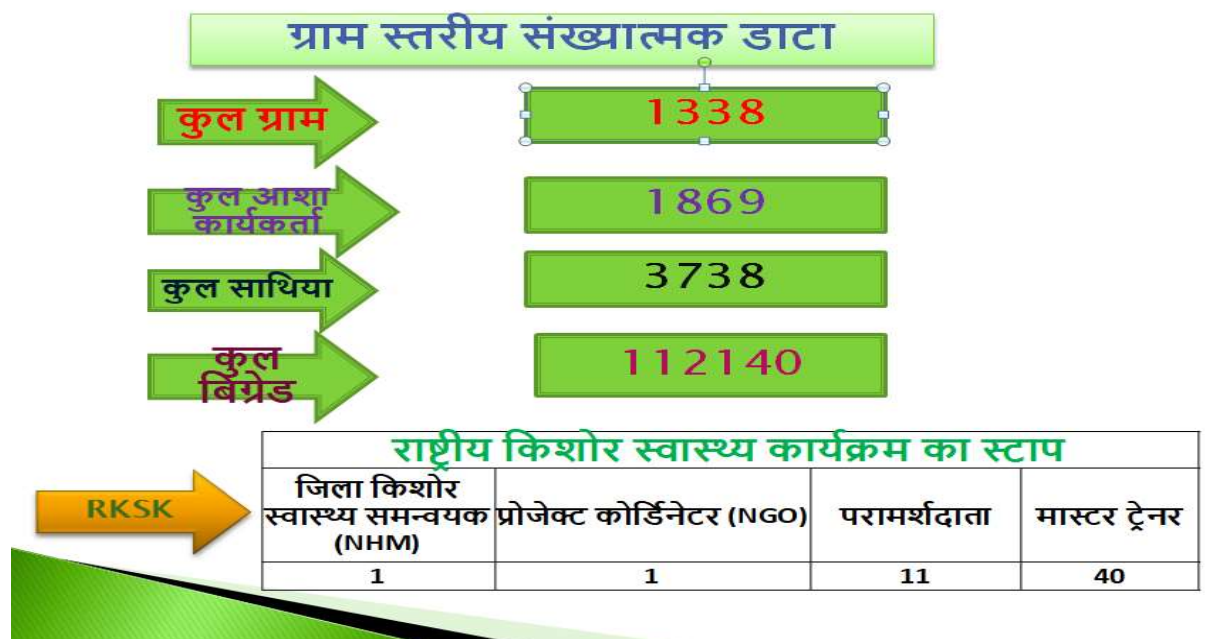
मध्यप्रदेश के 52 जिलों में कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है जिस में से 21 जिलों में कार्यक्रम फील्ड गतिविधि(साथिया प्रोग्राम) के साथ संचालित है

कार्यक्रम को दो रूप में संचालित किया जाता है

- 1.फील्ड गतिविधि(PE प्रोग्राम)
- 2.परामर्श सेवायें(उमंग स्वास्थ्य केन्द्र)

छतरपुर जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से संस्था दर्शना महिला कल्याण समिति के द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है

- **पीयर एजुकेटर (साथिया)-** जिला छतरपुर के अंतर्गत जिला अस्पताल तथा 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत आने वाले 1338 गांव की 1869 आशा कार्यकर्ताओं द्वारा 15 से 19 वर्ष आयु समूह के किशोर एवं किशोरी के रूप में पीयर एजुकेटर चयनित किए गए जिन्हें मध्य प्रदेश में साथिया के नाम से पहचान प्रदान की गई है चयनित क्षेत्र के प्रत्येक आशा द्वारा दो (एक किशोर एक किशोरी) 3738 पीयर एजुकेटर अर्थात (साथिया) का चयन किया गया है एवं 6 दिवसीय प्रशिक्षण किया जा चुका है तथा प्रत्येक साथिया की ब्रिगेड टीम होती है जो लगभग सभी साथिया की हर गाँव में 25 से 30 सदस्य की ब्रिगेड मेंबर की टीम जो जिले में कुल ब्रिगेड मेंबर लगभग 112140 है प्रशिक्षित साथियों द्वारा अपने ग्राम में किशोर किशोरी को स्वास्थ्य संबंधी जागरूक किया जा रहा है एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों जैसे **पल्स पोलियो, फाइलेरिया, दस्तक, मिशन इंद्रधनुष, राष्ट्रीय कृमिनाशक दिवस, आदि** में ग्राम में रैली के माध्यम से जन समुदाय को जागरूक किया जा रहा है एवं साथिया द्वारा **निपी कार्यक्रम** के अंतर्गत आयरन टेबलेट के फायदे के बारे में स्कूल एवं आंगनबाड़ी में किशोरी को भी जागरूक किया जा रहा है राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में पदस्थ जिला किशोर स्वास्थ्य समन्वयक एवं सहयोगी संस्था दर्शना महिला कल्याण समिति के परामर्शदाता प्रशिक्षण के माध्यम से साथिया द्वारा ग्राम में हर माह के दूसरे रविवार व चतुर्थ रविवार को ब्रिगेड बैठक आयोजित की जा रही है जिसमें कॉमिक बुक के माध्यम से तिरंगा आहार, पोषण स्रोत, कृमिनाशक, बाल विवाह, किशोरावस्था में बदलाव, माहवारी, जैसे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर खेल-खेल में जानकारी दी जा रही है और राज्य स्तर के दिशानिर्देश अनुसार सितम्बर माह से प्रत्येक गांव में माह के दूसरे रविवार को **किशोर का शोर कार्यक्रम** का आयोजन किया जाना है



मास्टर ट्रेनर के द्वारा सुपोर्टिव सुपरविजन किया जा रहा है जिस में ग्राम स्तर पर गतिविधि की जाती है जिस में किशोर किशोरियों एवं अभिवाविकों को जागरूक की जा रहा है

माह में कुल कवर किये किशोरियों की संख्या	माह में कुल कवर किये kishiriyo की संख्या	माह कवर किये कुल अभिवाविकों की संख्या	माह में किये गए कुल गृह भेंट की संख्या
73080	70181	19560	12500

## कार्यक्रम से लाभान्वित किशोर किशोरी

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के द्वारा संचालित उमंग किशोर स्वास्थ्य केंद्र में अप्रैल 2024 से नवम्बर 2024 तक 25746 किशोर किशोरियों क्लीनिक की सेवायें प्रदान की गईं

Apr-24	May-24	Jun-24	Jul-24	Aug-24	Sep-24	Oct-24	Nov-24	Total
3250	3876	3532	3431	3250	2568	2854	3015	25776

Basic Information	
Newly registered and received counseling at AFHCs	23113
Number of clients who received followup counseling at AFHCs	2663
Total (New + Followup)	25776
Out of the Total (New+ Followup) received Clinical Services	9981

अप्रैल से नवम्बर तक क्लीनिक में कुल क्लिंटन - 25776 आये हैं  
सेवाओं के लिए जिस में से 2663 क्लिंटन फॉलोअप के लिए आये हैं







पेयजल एवं पंचायत कार्यक्रम —



इस परियोजना को सूखाग्रस्त क्षेत्र बुन्देलखण्ड में लागू करने का प्रस्ताव है, जहां समुदाय को पीने के पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। चयनित सभी 04 ग्राम पंचायतों में पेयजल गुणवत्ता हेतु गाइडलाइन के अनुरूप पेयजल की कमी एक आम चिंता का विषय है। भूजल स्तर में गिरावट के कारण पेयजल आपूर्ति का मुख्य स्रोत हैंडपंप साल में छह महीने से अधिक समय तक सूखे रहते हैं। इसके अलावा, पानी की गुणवत्ता बहुत खराब है जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र में जलजनित बीमारियाँ हो रही हैं। परियोजना का उद्देश्य मुख्य मुद्दे - जल - पर कार्य करके एक बहुआयामी समाधान प्रदान करना है। इसका उद्देश्य स्थानीय शासन, क्षमता निर्माण और ग्राम पंचायतों के सशक्तिकरण के चैनलों का लाभ उठाकर सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल (विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए) की जल उपलब्धता में सुधार करना है। परियोजना क्षेत्र के चयनित स्थान पर एक बहु-अभिनेता सहयोग मॉडल विकसित और प्रदर्शित किया जाएगा।

### कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य

- ❖ ग्राम पंचायत एवं ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्राम में किये जाने वाले सहयोग एवं सुधार
- ❖ स्थानीय लोकतंत्र को सशक्त बनाकर कल्याणकारी योजनाओं में समुदाय की पहुंच सुनिश्चित करना
- ❖ स्थानीय लोकतंत्र के सहयोग से चयनित ग्राम पंचायत में पीने के पानी की उपलब्धता एवं निरंतरता
- ❖ ग्राम की पंचायत एवं समितियों को एकजुट एवं मजबूत करना

### उद्देश्य 1: ग्राम पंचायतों और ग्राम सभाओं के माध्यम से संस्थागत कामकाज में सुधार।

- ❖ ग्राम पंचायत की उप समिति की मैपिंग करना और उन्हें भूमिका और जिम्मेदारी पर सक्षम बनाना।
- ❖ विकेंद्रीकृत योजना प्रक्रिया पर 55 पंचायत सदस्यों के लिए 2 प्रशिक्षण और कार्यशाला आयोजित करें।
- ❖ पंचायत सुविधाकर्ता और पंचायत स्वयंसेवक समुदाय को ग्राम सभा में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हैं।
- ❖ 17 गांवों को वीएपी और जीपीडीपी प्रशिक्षण 400 सदस्य
- ❖ कुल 68 सदस्यीय गांवों के जीपी प्रतिनिधि और सचिव जीआरएस के लिए 1 एक्सपोजर विजिट का आयोजन करें
- ❖ 4 ग्राम पंचायत के लिए स्थानीय लोकतंत्र पर आईईसी सामग्री और साहित्य का लाभ उठाएं।
- ❖ परियोजना टीम और स्वयंसेवक योजना प्रक्रिया और नियमित ग्राम सभा के आयोजन में ग्राम पंचायत को सहायता प्रदान करते हैं।

### उद्देश्य 2: स्थानीय लोकतंत्र को सशक्त बनाकर कल्याणकारी योजनाओं में समुदाय की पहुंच सुनिश्चित करना

- ❖ 17 गांव (4 पंचायत) परियोजना क्षेत्र में आधारभूत सर्वेक्षण का संचालन करें।
- ❖ ग्राम स्तरीय बैठक आयोजित करके समुदाय और स्थानीय नेताओं को सरकारी योजनाओं/अधिकारों और हक के बारे में जागरूक करना।

- ❖ गाँव में 4 ग्राम पंचायत को विभिन्न सरकारी योजनाओं और जीपी की भूमिका पर तीन बार में 20 व्यक्तियों की प्रक्रिया में प्रशिक्षण आयोजित करना।
- ❖ विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए लाभार्थियों की लाइन लिस्टिंग और आवेदन भरने में सहायता।
- ❖ सरकारी अधिकारियों और समुदाय के साथ 17 ग्राम स्तर पर इंटरफ़ेस बैठक।
- ❖ जीपीडीपी अद्यतनीकरण और वार्षिक बजट योजना पर 4 जीपी को सशक्त बनाना।
- ❖ विभिन्न सरकारी योजनाओं पर सामुदायिक स्तर पर वास्तविक समय समर्थन और व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए 17 गांवों के चयनित 34 युवा नेताओं को प्रशिक्षित किया गया।

### **उद्देश्य 3: स्थानीय लोकतंत्र के सहयोग से चयनित ग्राम पंचायत में पीने की उपलब्धता और स्थिरता में सुधार करना।**

- ❖ चयनित 17 गांवों में 2126 एचएच पर सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता तक पहुंच
- ❖ 17 गांवों में पेयजल उपलब्धता में सुधार के लिए वीएपी की सुविधा प्रदान करना
- ❖ सुरक्षित पेयजल के महत्व के बारे में 17 गांव के समुदाय को जागरूक किया
- ❖ 17 वीडब्ल्यूएससी के गठन के लिए समर्थन
- ❖ हर 3 महीने में जल परीक्षण के लिए 4 पंचायत स्तर पर थ्रज किट सुनिश्चित करें (4\*17=68) पंचायत और PHED को रिपोर्ट भेजें।
- ❖ एफटीके के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण पर ग्राम जल और स्वच्छता समिति का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण
- ❖ ग्राम जल एवं स्वतंत्रता समिति के प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पर एफटीके के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण
- ❖ मौजूदा जल स्रोतों के रखरखाव और संरक्षण के बारे में समुदाय को जागरूक करें।
- ❖ जल संरक्षण और अपशिष्ट जल प्रबंधन से संबंधित कार्यों के लिए मनरेगा और 15वें वित्त आयोग के तहत सरकारी संसाधनों का उपयोग करना जैसे 100 एकड़ खेत की मेड़बंदी 39 हैंडपंप और 42 खोदे गए कुएं में रिचार्ज पिट 4 पंचायत में छत के पानी का संचयन।

### **उद्देश्य 4: गांवों के स्थानीय संस्थानों सीबीओ को एकजुट और मजबूत करना।**

- ❖ वीडब्ल्यूएससी जीपी वीएचएसएनसीए एसएमएस जीपी की उप समिति जैसी रोल और जिम्मेदारी पर ग्राम संस्थान के लिए प्रशिक्षण
- ❖ गांव के स्थानीय नेताओं और स्थानीय संस्थान के प्रतिनिधियों को एकजुट करके वीओ ग्राम स्तरीय संगठन का गठन।
- ❖ जेजेएम पंचायती राज सरकार पर वीओ का लगातार प्रशिक्षण। योजनाएं सामाजिक अंकेक्षण प्रत्येक वर्ष त्रैमासिक।
- ❖ 80 व्यक्ति वीडब्ल्यूएससी और स्थानीय नेताओं के लिए एक्सपोज़र विजिट का आयोजन करें



### लक्ष्य गत हस्तक्षेप परियोजना (एड्स कार्यक्रम):-

म. प्र. राज्य एड सनियंत्रण सोसायटी की लक्ष्य गत हस्तक्षेप परियोजना में संस्था पन्ना जिले में 'ड्रग यूजर्स एवं एम एस एम के लिये 330 लक्ष्य समूह के साथ कार्य किया जा रहा है। उच्चजोखिम समुदाय के ज्ञान, कोशल एवं द्रष्टि कोण में बदलाव के लिये विभिन्न गतिविधियां करना जिससे एड्स के प्रसार को रोकने में मदद मिले।

लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रमों का उद्देश्य उच्च जोखिम व्यवहार वाली जनसंख्या, जैसे-पुरुष समलैंगिक, महिला यौन कर्मी, इंजेक्शन के द्वारा ड्रग लेने वाले, भ्रमण शील मजदूर, ट्रक डायवर इत्यादि में एच.आई.वी. /एड्स संक्रमण की दर को कम करना है। इसके लिए ऐसे स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से हस्तक्षेप कार्यक्रम क्रियान्वित करने की रणनीति बनाई गई है, जो लक्षित जनसंख्या के साथ रहकर कार्य करते हो।

### लक्ष्य गत हस्तक्षेप परियोजना ओरछा

**परियोजना कार्यक्षेत्र** –लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना का कार्यक्षेत्र निवाड़ी जिले के निवाड़ी, ओरछा व प्रथ्वीपुर है, जहाँ निवाड़ी व प्रथ्वीपुर में दो न्यूसाइट खोजी गई व पंजीयन किये गये एवं निरन्तर न्यू साइट खोजने के प्रयास टीम के द्वारा किये जा रहे हैं साथ ही न्यूसाइट पर सी.बी.एस. कैम्प का आयोजन भी किया गया जहाँ पर डाक्टर्स की टीम के द्वारा सहयोग दिया गया। कार्यक्षेत्र के अर्न्तगत निवाड़ी साइटपर एक्टिव एच. आर.जी. संख्या 161, ओरछा साइटपर एक्टिव एच.आर.जी. संख्या 101 व प्रथ्वीपुर साइटपर एक्टिव एच.आर.जी. संख्या 209 है अतः कुल एक्टिव एच.आर.जी. संख्या 471 है।

परियोजना का कार्यालय ओरछा में स्थित है जहाँ पर कार्यालय से निवाड़ी साइट लगभग 30 कि.मी. की दूरी पर है व कार्यालय से साइट चन्दपुरा 12, पनिहारी 18 कि.मी., नेगुआँ 19 कि.मी. दर्रेठा 20 कि.मी., प्रथ्वीपुर 24 कि.मी. व क कावनी 40–45 कि.मी. की दूरी पर है।

## लिंक वर्कर परियोजना टीकमगढ़:-

लिंक वर्कर स्कीम का उद्देश्य उच्च जोखिम व्यवहार वाली जनसंख्या, जैसे-पुरुष सम लैंगिक, महिला यौन कर्मी, इंजेक्शन के द्वारा ड्रगले ने वाले, भ्रमण शील मजदूर, ट्रक डायवर इत्यादि में एच.आई.वी./एड्स संक्रमण की दर को कम करना है। इसके के लिए ऐसे स्वयं सेवी संगठनों के माध्यम से हस्तक्षेप कार्यक्रम क्रियान्वित करने की रणनीति बनाई गई है, जो लक्षित जनसंख्या के साथ रहकर कार्य करते हो।

April To November-2024								
Sr No	Typology	Line List	Contect	Clinic	1st Time Test	2nd Time Test	Health Camps	Mid Media
1	High Risk Group (FSW+MSM+IDU)	194	194	194	194	69	12	35
2	Migrants	6917	6032	2595	3655	0	0	0
3	Truckers	89	89	81	88	0	0	0
4	Other Vulneravle Population	3859	3803	1837	2610	0	0	0
5	ANC	970	970	970	968	0	0	0
6	TB	29	29	29	29	0	0	0
7	PLHIV	66	66	66	0	0	0	0

## Model Village Patan

### Overview



**Context** - The nutrition Smart commUNITY model village project's Inception phase has laid the foundation to combat chronic hunger and malnutrition in two villages through behavior change, community support, improved nutrition services, and advocacy for the Right to Adequate Food. This proposal outlines the two subsequent phases for the villagers to become exemplary models in achieving "Zero Hunger"

**Overall objective-** Contribute to "Zero hunger" (SDG 2 and the global Nutrition targets 2025) reducing chronic and acute malnutrition in the two villages Patan and Burudih.

**Specific Objective** - Government and development actors adopt and scale a multisectoral community based Operational model to nutrition security.

### Progress 2023

Output 1 - The communities of the SDG2 Satellites are Nutrition secure and have access to satisfactory and relevant services.

#### 1.1 LANN+ PLA meeting

To improve agriculture, natural resources and nutrition level at the village, monthly meetings are being organized twice a month with women's groups. In which this is being done in two ways. In one fortnight, LANN + PLA, in the second fortnight, through community meetings, the focus is on nutrition awareness, along with the use of agriculture and natural resources, promotion of organic agriculture and nutritional behavior change. Due to which a change in behavior is visible among the women in the village. On one hand, the nutritional level of children and women is improving, while on the other hand, the rate of malnutrition is decreasing.



#### Establishment of nutrition gardens -

Due to continuous conduct of meetings, establishment of nutrition gardens is proving to be the main means of improving the behavior and nutritional level of women. In the present one year, 40% of the families in the





village have established nutrition gardens and it is being made completely organic.

Effect -

1. Nutrition gardens have been established in the homes of 40% percent families.
2. 5-6 types of fruits and vegetables have started becoming available for 8 to 10 months.
3. Women have started getting their children weighed continuously.
4. Dietary diversity is being included in the diet of children.
5. Improvement in the malnutrition situation of the village is being seen

### **Screening of children 0 to 59 months.**

Comprehensive improvement in nutritional status cannot be achieved without addressing malnutrition. Keeping this in mind, to know the current situation of malnutrition in village Patan, the village volunteers along with the Anganwadi workers are continuously weighing the children aged 0 to 29 months every month and the malnutrition level is being continuously monitored. . Malnourished children are being given a tour of the planet by village Balantiar and the mothers of the children are being made aware and the children are being told about the food and the method of preparing and feeding the food. The weighing and monitoring of children is being documented every month by Anganwadi workers.

### **1.2 Further strengthen the capacity of village intitutions**



Strengthening of adolescent groups With the aim of creating an atmosphere in the village and mobilizing the power of the youth, regular meetings have been organized with the village youth organization to prepare them for their role in rural development. The members of this organization, along with having general computer knowledge, are also working for quality education in the

village.

- + Through meetings, information about various government schemes is increasing among teenagers.
- + Leadership abilities are developing in teenagers.
- + The quality of education is improving.
- + Adolescents are being motivated to ensure that no child in the village drops out of school.
- + Free tuition class has been started by group member Mr. Vijay Raikwar.

### **Identification and strengthening of Existing committees ( VHSNC**

Through frequent meetings of the VHSNC, issues like health, nutrition and cleanliness have started being discussed in the village. Committee members are continuously participating in VHND and it is being ensured that no child in the village is deprived of vaccination. For this, women have started being made aware by visiting homes and by participating in village meetings held from time to time, issues of nutrition and health have started being raised in rural development schemes. In the coming times, we will see the active role of the committee.



### **Formation of VWSC (Village Water and Sanitation Committee)**

There is problem of drinking water in Patan village also. To solve this problem, Village Water and Sanitation Committee was formed in the village with the help of Swachh Bharat Mission. Under the Swachh Bharat Mission, it has been resolved to provide safe drinking water to all households by 2024. For which work is going on war footing. The committee will monitor and ensure the quality of the water supply scheme in the village in the coming time and after the completion of the work, the committee will operate the scheme at the village level.

04 members of the committee have been trained by PHED department to check the quality of drinking water of rural sources. Water testing kit has been supplied by the department. Through this kit, members are testing the water of the village sources.



### **1.3 Training Of farmer group on farmer producer Organisation ( FPO) Farmation and business managemant -**

Farmer Group Meetings and Formation of (FPO) – Kisan Pathshala has been formed in the village which consists of about 20 to 25 farmers of the village and is regularly organizing monthly meetings. A seed bank has been established by the members by collecting locally available seeds. So that the seeds can be available to the farmers of the village on time and their dependence on the market can be reduced, the farmers associated with it take seeds from the seed bank on interest when the time comes and deposit 25 percent of the amount.

Extra after production. , In the monthly meetings of Kisan Pathshala, continuous discussions are held to promote technical farming as well as organic farming in the village. By establishing coordination with the Agriculture Department from time to time, village farmers are being ensured access to new agricultural techniques, methods as well as training and schemes.

In the month of December, a plan has been prepared by the farmers to form a Farmers Produce Organization in the village, in which 12 selected members of the village have been included. The process of its formation and registration is raning and a plan for training has also been prepared for which 10 farmers from the village are going to Jharkhand in the coming month of February to visit the Farmers Produce Organization operating there and know how that organization works. Is working from and there will receive formal training on organization building and running for 02 days.

### **Promote Access and Utilization of Toilets**

Based on the base line survey, toilets are not being used in about 75 percent of the families in the village. For this, discussions were held with various committees formed in the village and emphasis was laid on the construction of toilets in the village and its utility. In this connection, members of the village committee, BHNC, VWSC and self-help groups were given one-day training on construction of toilets and their utility. Panchayat representative of the village was also present in the Gaya training and discussed the current situation of the village with the participants. Not all the people of the village have toilets. People still go to defecate in the open, which is very dangerous and in the village. Is promoting diseases. And everyone understands was developed on what could be the adverse consequences of open defecation.



The present members prepared a plan with the Gram Panchayat representatives that we will increase awareness in the village and motivate all the families of the village to construct toilets.

Prabhach - As a result, people in the village have started constructing toilets. After training, 15 attendants in the village have started using new and old toilets.

**Output 2 - The SDG 2 Satellites are established as functioning knowledge, learning and demonstration hubs, pramoting asnd showcasing the multisectoral NSC approach.**

### **2.1 Capacity Building of volunteers of to manage and facilitate visits -**



With the objective of enhancing the capacity of Village Development Committee and village volunteers, a one-day study tour was conducted in 02 villages of the Samarthan organization of Panna district. This includes village water management system and work of village water and sanitation committee and prevention of water shortage as well as organic farming system in the village etc.

Date of visit. 25.12.2023

Institute. Samrthan bhopal

#### 1- Village Jardhowa District Panna - Study tour of water distribution system and role of village water and sanitation committee

The first village visit was in village Zardhowa of Panna district, in which the water distribution system was seen, water is reaching every house systematically twice a day. This was observed after which a meeting was held with the Village Water and Sanitation Committee and the arrangements there were known and all the documents of the committee were observed and discussed with the committee members and it was found that water was distributed every month. Is. How much tax is coming? Regarding how the amount is being utilised, the members said that out of the amount received every month, Rs 3000 per month goes to the operator.



#### 2- Village Palthara - Study tour of organic farming work and water supply system -

Secondly, village Palthara was visited, where after discussing with the farmers; we saw and understood the method of organic farming being adopted by the farmers. He then visited the village and saw the water management system, which is being done with the help of WHH. After seeing and understanding the work, it was discussed with all the members to adopt this technology in village Patan also



#### Benefits of tour

1. In future, organic farming work will be promoted in village Patan.
2. Village resource persons and Village Development Committee members developed their understanding of the water system and functioning of the committee.
3. In the coming time, members will be able to work on water supply in the village.

4. Members will be able to play an active role in the village.

Other Activity -

#### **Formation of village tour committee -**

Objective of the committee -: To provide a platform to the visitors coming to the village to learn, understand and explain in a systematic manner the various activities, exhibitions conducted in the Model Village Patan, the important role of local institutions in the village etc.

Formation of the committee -: This committee will be formed by the Gram Panchayat. This committee will include 10 active members from the village who will be members of the activities and committees run in the village such as self-help group, village development committee, gram panchayat co-member, farmer. Group members, adolescent group members and Model village Project manager will join as temporary members.

Functions of the Committee:

- A committee has been formed to learn and teach various activities and models conducted in the village to the members and groups coming from outside. For this, the committee will prepare the team of 02-03 members coming to the village for tour and training by taking them on tour to various activities and through detailed discussion/presentation/documents about those activities. Will do the work of learning and teaching. Along with this, it will work to provide training and trainers to other organizations/committees for related activities.
- The committee has given the responsibility of village tour to 02-03 persons of the committee who will observe various activities during the village tour as per the plan and will also provide detailed information about the person/group coming on the village tour. Will also make arrangements for meetings etc. with members of village committees. In return, you will get a fixed honorarium per person per day.
- The committee will arrange refreshments as per arrangement for the person/group coming on village tour.
- The Committee will from time to time send members for training/exposure to enhance their capabilities.
- If the committee sends its members to provide services as trainers in future, 50% of the amount received from the said service will be given to the trainer.

#### **Coordination with government departments and other NGOs -**



Constant coordination is being established with government departments working in the village like Agriculture, Horticulture, PHED, Panchayat Health Department, Women and Child Development Department, Education Department as well as people from organizations working at the local level. Due to which the quality of schemes and works conducted in the village is improving. The implementation of schemes and works is gaining momentum. As a result of which the people of the village are getting direct association with the departments.

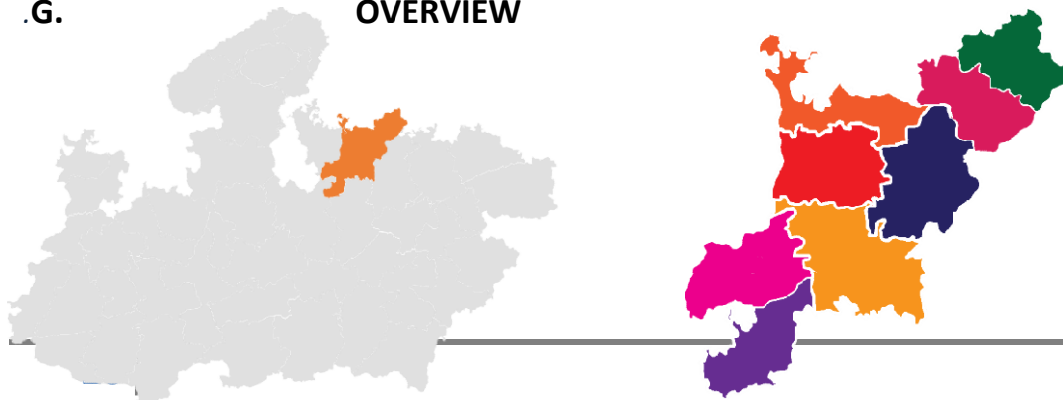


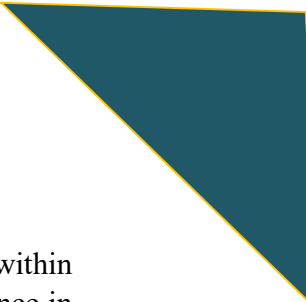
People are getting direct access to govt.

## Regional Nutrition Program

.G.

OVERVIEW





At the north-eastern border of the state of Madhya Pradesh lies Chhatarpur located within 24.06' to 25.20' North latitude and 78.59' to 80.26' East longitude. It came into existence in 1956 and comprises an area of 8687 sq. km. with 6 Subdivisions, 11 Tehsil, 8 Janpad Panchayat, 3 municipalities and 12 Municipal Council. Since 1999, Darshana Mahila Kalyan Samiti is working in close coordination of district administration.

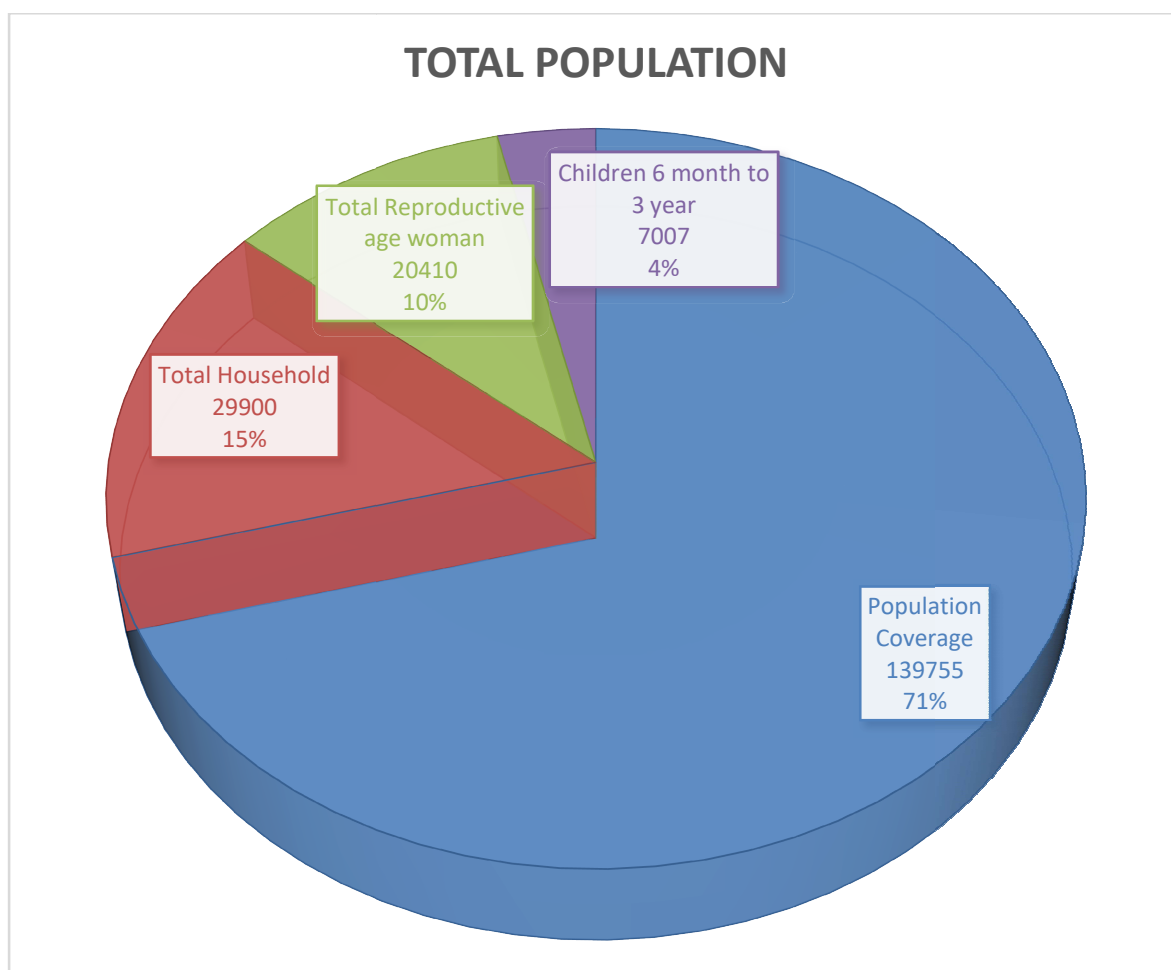
Since September 2018, DMKS has been working towards improving the nutritional status of children through the Nutrition Smart Village (NSV) approach. Ground-level interventions have been undertaken in two Blocks of Chhatarpur district, Bijawar and Rajnagar of Madhya Pradesh, India. Currently, in both the blocks, we are covering 100 villages, 50-50 from each block.

### **Overall Objective:**

**Overall objective (Impact):** To contribute to food and nutrition security (SDG 2) of vulnerable and food insecure families in Nepal, Bangladesh, and India

### **Specific Objective:**

In the target areas over the project period: - Wasting is less than 15% compared to the national average - 70% women in reproductive age consume  $\geq 5$  food groups each day (MDDW  $\geq 5$ ) - More than 50 % children between 6 months to 24 months have Minimum Acceptable Diets (MAD)- 100% households are aware about government entitlements.



#### RESULT 1 –

**The multisectoral approach to food and nutrition security is consolidated and institutionalized in cooperation with government agencies.**



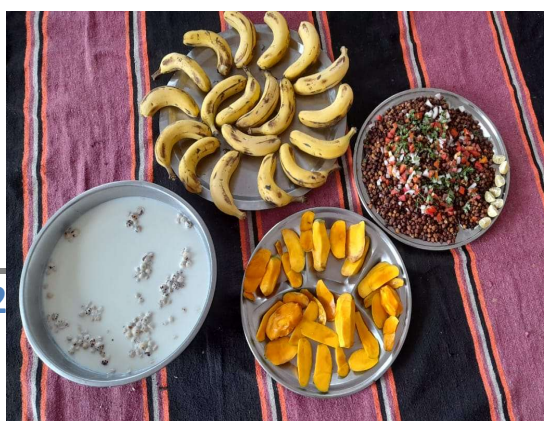
**Child screening** – in this Reporting period project team conducted census child screening in 46 Villages and screened 3144 children and 856 children identified as malnourished. 38 children were sent to NRC because they are in SAM category and for remaining children treated at village level through community-based management of malnutrition by organising 15 Days Nutrition camp and 2 Days Baalbhoj at village level. total 856



Malnourished children have been treated during Nutrition Camp Baalbhoj.

and

1- **Nutrition Camp** – During the Reporting period January- June 2023, 8



Nutrition camps has been organised by trained Nutrition volunteers and extension workers of the village for the mothers / care takers and their children in villages with high prevalence of undernutrition. Villages identified by project team by conducting census screening of children in 46 village of project area. For organising nutrition camp one community meeting conducted in each village to take consents from mothers and finalized venue, food menu, and topics for 15 days. In 8 villages total 214 children participated with their mothers on everyday of Nutrition camp Breakfast, lunch, and Nutrimix provided to children. Project team ensure that cooked food for children must be baby friendly and made from locally available food materials. For skill development of mothers everyday one topic discussed with mothers like importance of 1000 days, dietary diversity, hygiene and sanitation,



cooking process of nutritious food for children, diarrhoea Management, community-based management of Malnutrition, IYCF etc. On day1, day7 and 15<sup>th</sup> day of Nutrition camp project team done the anthropometric measurement of children to track their growth during nutrition camp so out of 214 children 21 SAM children moved to MAM and 64 MAM children moved to Normal grade with in 15 days period. After 15 Days follow up plan developed to track children status after camp. 6 follow up for each child has been done by project team in the interval of 15 days. and project team observe that mother practicing the learning from Nutrition camp at home and now out of 214 SAM/MAM children 156 are in Normal grade.



2- **Baal Bhoj** – During the Reporting period 38 Baal Bhoj organised by project team in Model and scale up village of project area. Baal Bhoj was 2 Days Mega campaign at the village in leadership of local communities and extension workers of the villages to promote baby



friendly nutritious recipe. During the reporting period in 38 villages 1519 Mother, 46 AWW, 32 other extension worker participated and 2171 children 6-36 months served food during Baal bhoj . the objective of the Baal Bhoj was to improve skill of mothers on cooking practices. In each village 5-6 Types of

baby friendly recipe were prepared by mothers by using locally available food materials like Millets, cereals, pulses, vegetable, fruits, seeds, beans etc.





- 3- **Follow up of children** – After Nutrition camp and Baalbhoj follow up of every Malnourished child done by Trained volunteers and Anganwadi workers jointly after 15 Days of interval from the end of the Camp



and Balbhoj until 3 months. During the follow up visit volunteers tracking growth monitoring of children and give advice to mother about care of children as per need. In this reporting period 2785 follow

up visit done by all project team and volunteers.

- 4- **LANN+ Session with community** – During the reporting Period LANN+ session organised with local communities from the LANN+ series meeting



No 6,7,8,9,10,11 and 12 organised in all 100 villages where session was conducted with 25-30 women of reproductive age. Total 2600-3000 women participated in each meeting from 100 village. Meeting

was based on Effect of open defecation on health, Personal Hygiene, prioritization of Nutrition related problem, identification of underlying causes of Malnutrition and possible solution, Wash, strategy for resolve Prioritized Problem. This PLA process



is very effective tools to improve

community participation and behavioural change. Impact of these session now are visible as following.

- Proper growth Monitoring in community participation
- Early registration of pregnancy improved
- 100% vaccination of Pregnant and lactating
- Proper ANC and PNC check up
- Linkage with Government schemes and entitlement
- Demand increase for Government services
- Consumption of diverse food and improvement in MDDW
- Improvement in MDDC
- Wash Practices are improved

**5- Seed Ball Drive By children** – The seed ball protects the seeds from the



hungry mouths of small animals and birds. Rain breaks down the clay and the humus provide necessary nutrients for the young seedlings. Seed balls help increase green space. seed balls can work well anywhere with a rainy season. Seed balls have an 80 percent growth success rate in comparison to

regular seedlings, during the reporting period project team initiate the seed ball drive for plantation with support of children. Because children always involved in innovative drive so in 27 villages children collect seed different types of plant made more than 6700 seed ball now, they are ready to plantation drive as the monsoon





come, they initiate plantation drive and more than 5000 plant will be planted this year it is No cost activity and way be very helpful in increase the green area of environment.

- 6- **World environment day celebration** –on 5<sup>th</sup> June on the occasion of world environment day organization initiate a Mega drive to aware community about water conservation this Mega drive inaugurated by DM and Jila Panchayat CEO by flagged of to Awareness rath. All awareness Rath moves to villages 5-15 June. Expert team also reaching at Villages and organised Jansabha and identified the problem related to scarcity of water. also, discussion held on the technique of Rainwater conservation, Important of safe water in health and wellbeing. Under this initiative all 100 Nutrition smart villages covered on priorities.
- 7- **Sustainable integrated Farming System (SIFS)** –Based on system approach, Integrated Farming is an improved Version of mixed cropping, which tries to imitate nature's principles, where not only crops but, varied types of plants, trees, animals, bird, fish and other aquatic flora and fauna are utilized for production. These are combined in such a way and proportion that each



elements helps the other and waste of one is recycled as resource for the other. On this SIFS approach during the

reporting period 24 Demo plot developed in 24 Villages where project team try to demonstrate the concept of SIFS Physically on the farm of lead farmers. Vermi pit for preparing organic manure constructed, Improved the Animal shelter with proper cleanliness and urine collection point, Fish Pond in one Village 30\*30\*10 fit, provide seeds of Millets, also planning to add poultry, and fishery in all Demo plot. These Demo plot developed in farm of lead farmers who is trained on SIFS concept. On monthly basis he is facilitating one session in the farmer field school with other farmers of village. 380 FFS session conducted during the reporting period and 1500-1700 farmer participated in farmer field school session and learning the concept of integrated farming.

#### 8- Farmers Training on Sustainable integrated farming –

Sustainable integrated farming system is very good approach to improve food diversity and promote nutrition sensitive agriculture so after learning from model villages now it scaled up in scale up villages with the support of Government agencies. To achieve this objective selected lead farmers trained on SIFS approach during the reporting period. Three Days training on SIFS concept

and session facilitation skill for farmer field school on 25-27 April 2023 at Nougariya farmhouse Chhatarpur. In this training 33 lead farmers and 9 New volunteers remains farmers trained on field training. And now seed and



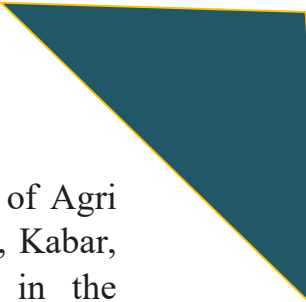


sapling , agri inputs provided from government schemes to set up demo plot.  
Trained farmers conducting FFS session with others farmers of the village.



9- **Awareness workshop on entrepreneurship-** on 27<sup>th</sup> June entrepreneurship workshop organised in collaboration of ICAR Bhopal Mrs Deepika agrihar





Senior scientist take the session on processing and Value addition of Agri product. 54 women from village Tipari, Jhabarra, surajpura, seelon, Kabar, Majhota, Singro, Patan, Khandkhudai, Dhohuwan participated in the workshop. Mrs Deepika Agrihar Discuused with women farmers that ICAR can support you in set up of agri product processing and value addition. So many types of equipment available in ICAR on reasonable price if you required any support you can access me.





## भूख, पलायन और मजदूरी से मुक्ति

### सफलता की कहानी

**ए** क मजदूर परिवार के सुपोषित होने और अपने परिवार के पोषण की सभी चीजों को अपने खेत में उगाकर आत्मनिर्भर होने की यह कहानी किसी दिवास्वप्न जैसी है। यह कहानी गुलजारी रैकवार और उनकी पत्नी मुलिया बाई की है। ये छतरपुर जिले के ग्राम पाटन में रहते हैं। घर परिवार में प्रतिदिन होने वाले खर्च जैसे सब्जी, मसाला, फल आदि बाजार से खरीदने की जरूरत अब इस परिवार को नहीं पड़ती है। अपने परिवार के लिए जरूरी पोषण संबंधी सभी चीजें मुलियाबाई अपने खेत में खुद ही उगा लेती हैं।

उल्लेखनीय है कि दर्शना महिला कल्याण समिति द्वारा वेलथ्रिंगर हिल्फ के सहयोग में छतरपुर जिले के 100 गांवों में पोषण समृद्ध ग्राम परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत मुलियाबाई उन्नत कृषक की भूमिका में हैं जो अपने खेत और फसलों में नए प्रयोग करके अन्य कृषकों को उन्नत कृषि करना सिखाती हैं।

उन्होंने अपने घर में एक पोषण वाटिका लगाई है। इस पोषण वाटिका में साल भर अलग अलग तरह की सब्जी उगाती हैं। कम से कम 5 से 7 तरह की सब्जी तो उनकी पोषण वाटिका में हमेशा लगी ही रहती हैं। अभी मार्च में भी प्याज, टमाटर, बैंगन, पालक, मिर्च, धनिया, लगी हुई हैं। इसके साथ ही फलों में पपीता, अनार, आम, अमरुद और सीताफल लगे हुए हैं। मुलिया बाई बताती हैं कि, पोषण वाटिका में बच्चों के लिए कोई न कोई फल तो मिल ही जाता है। हमारे बच्चों को दुकान की चीजें लाने की जरूरत नहीं पड़ती।

मुलिया बाई के पास करीब साढ़े तीन एकड़ जमीन है। परिवार में कुल 10 सदस्य हैं। पति गुलजारी, 2 बेटे अशोक, कमलेश, बहू फूला और 5 नाती-नातिन हैं। ये पांचो बच्चे नियमित स्कूल जाते हैं।

गुलजारी बताते हैं कि, चार साल पहले तक हम लोग पलायन करके मजदूरी करने दिल्ली जाते थे। परिवार सहित आठ महीने तक हम लोग दिल्ली में रहकर बेलदारी (निर्माण कार्य में मजदूरी) का कार्य करते थे और बरसात के चार महीने अपने घर पर आ जाते थे। अपने खेत में बरसाती फसल मक्का, उर्द या तिल उगाते थे। उस समय जब हम लोगों के पास में

पैसे नहीं रहते थे तो घर-परिवार की जरूरत के काम, हारी-बीमारी के लिए जरूरत पड़ने पर दोस्तों या रिश्तेदारों से पैसे उधार ले लेते थे और फिर मजदूरी करके उनके पैसे वापस लौटते थे। उस समय हम लोगों को 200 रुपये रोज की मजदूरी मिलती थी।

मुलिया बाई ने बताया कि, 4 साल पहले हमारी नातिन वर्षा कुपोषित हो गई थी तो उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए थे इसी दौरान आंगनवाड़ी में कुपोषित बच्चों के पालकों के साथ मीटिंग हुई इस मीटिंग में पोषण समृद्ध ग्राम परियोजना से राजेश पांडे जी ने बताया कि कुपोषण को दूर करना है तो 10 आहार समूह में से कम से कम 5 तरह के आहार समूह अपने भोजन में रोज खाना चाहिए। और हम लोगों को घर में लगाने के लिए 13 तरह की सब्जियों के बीज दिए थे। उनको हमने अपने घर में लगाया पालक, लाल भाजी तो महीना भर में ही खाने लायक हो गई थी। फिर दूसरी सब्जियां भी निकलने लगीं, जिनका उपयोग हम लोग घर में करने लगे। फिर धीरे धीरे हमने और बड़ी क्यारी बना ली और अपने घर के लिए सब तरह की सब्जी जैसे लौकी, तोरई, भिन्डी, मूली, कद्दू, सेम, चुकंदर, गाजर, टमाटर, बैंगन, मेथी अपने घर पर ही उगाने लगे।

इस तरह पोषण समृद्ध ग्राम परियोजना के कार्यक्रमों और मीटिंग में मुलियाबाई की भागीदारी बढ़ती गई और फिर उन्होंने एकीकृत कृषि प्रणाली का भी प्रशिक्षण भी प्राप्त किया और संस्था द्वारा उन्नत कृषक के रूप में चुनी गई। उन्नत कृषक के रूप में चुने जाने के बाद सबसे पहले मुलियाबाई ने अपने खेत के लिए योजना तैयार की ताकि उनके परिवार को अपने पोषण की जरूरत से संबंधित सभी सामग्री जैसे विविध तरह के अन्न, दलहन, तिलहन, फलियाँ, सब्जी और फल आदि प्राप्त हो सकें।

वर्तमान में मुलियाबाई खुद को पूरी तरह से आत्मनिर्भर मानती हैं। अब वह एक फसल उगाने के बजाय बहु-फसलों में विश्वास करती हैं और अपनी फसलें पूरी तरह से रासायनिक खाद और कीटनाशक से मुक्त पद्धतियों से उगाती हैं।

मुलियाबाई कहती हैं कि कुपोषण को दूर करने के लिए पोषण वाटिका बहुत जरूरी साधन है सभी को अपने घर में जरूर लगानी चाहिए। मैंने अपने गाँव में बहुत घरों में पोषण वाटिका लगवाई हैं, अब दूसरे गांवों में भी लगवाईंगी। और सभी गांवों को सुपोषित बनाऊंगी।



## अफ्रीकी देशों को भाया कुपोषण से लड़ने का छतरपुर के पाटन गांव का माडल

आकाश आनंद • छतरपुर

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर जंगल में बसे पाटन गांव के 256 घरों में रहने वाली 1054 लोगों को आबादी बदलते भारत की सुखद तरंग है। कभी 38 कुपोषित बच्चों वाले इस गांव में अब महज तीन बच्चे ही कुपोषित रह गए हैं। 'पोषण स्मार्ट आदर्श गांव' के रूप में पहचाने जाने वाले इस गांव से प्रभावित होकर अफ्रीका महाद्वीप के इथोपिया, मलावी, सीरिया, लीबिया, बुर्किना फासो, बुर्की के 17 सदस्यीय दल ने इस्लामाबाद (केन्द्रीय राजधानी) के अर्थशास्त्र के आगमन पर गांव का प्रमाण किया। कुपोषण से निपटने का प्रशिक्षण भी लिया। अब यह सत्य अपने देश में पाटन की तरह

● छह देशों में पाटन की डार बर कने  
पोषण स्मार्ट आदर्श गांव  
● प्रशिक्षण केन्द्र लौटा अफ्रीकी देशों का  
17 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल

आदर्श गांव तैयार कर वहां कुपोषण दूर करेगा।  
पोषण स्मार्ट आदर्श गांव के प्रोजेक्ट डायरेक्टर राजेश गुप्ता बताते हैं इस्लामाबाद ने दर्शन महिला कल्याण समिति के साथ मिलकर पाटन गांव को पोषण स्मार्ट गांव प्रोजेक्ट के लिए चुनने का फैसला किया था। गांव के ज्यादातर लोग खेती-किसानी से जुड़े हैं। जिनके पास जमीन नहीं है वह किराई पर लेते हैं। यहां के अधिकांश बच्चे कुपोषित थे, ऐसे में यहां कुपोषण मिशन के लिए दिसंबर 2018 से कार्य शुरू किया गया था।



छतरपुर के पाटन गांव में प्रदर्शनी के माध्यम से सोखते विदेशी सदस्य। ● पोषण-प्रोजेक्ट डायरेक्टर

खाल ही में 21 से 25 मार्च तक वहां छह देशों से आए प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य और पोषण समिति, किशोर

समूह से विभिन्न विषयों के साथ पाटन के पोषण स्मार्ट आदर्श गांव बनने के बारे में जाना और खेखा।

ऐसा है 'पोषण स्मार्ट आदर्श गांव पाटन'

● पोषण गाईड : कुपोषण दूर करने के लिए फल, सब्जी और अन्न भोजन जरूरी है, लेकिन गांव में यह उपलब्ध होना आसान नहीं था। ऐसे में गांव के 55 घरों में पोषण गाईड बनाए गए हैं। इनमें 14 तरह की सब्जियां, पपीता, आम, अनार आदि फल का उपयोग हो रहा है।

● शुद्ध पानी : शुद्ध पानी के लिए मटका फिल्टर पद्धति अपनाई गई है। इसमें एक के ऊपर एक तीन मटके रहते हैं। उमर वाले में पानी भरा जाता है। बीच के मटके में रेत, कोयला और सुती कण्डा रहता है।

● समूह सेवो : किसान एक एकड़ के खेत में गेहू, सरसो, 14 प्रकार की सब्जी, पशुपालन, मछली और भूगर्भात्मक कर रहे हैं।

● किसान फलदाता : गांव में किसान धनीराम को किसान फलदाता का डिम्मा दिया गया है। वह महीने में एक बार गांव के किसानों को जैविक खाद बनाने, खेती के उन्नत तरीके, मोटे अनाज के उपयोग बताते हैं।

● किसान बीज बैंक : गांव में किसान समिति के माध्यम से बीज बैंक स्थापित किया गया है। बैंक से किसानों को सब्जी का बीज फ्री दिया जाता है। फसल बीज देने में खेती है कि एक फिल्टर लेने पर सहायता प्राप्त देना होगा।

● वृत्ति केंद्र : गांव में शुन्य ऊर्जा खपत वाले कुलिंग पंख बमोना शुन्य किराने रेत भरा गया है। रेत को ठंडा रखने के लिए डिजिटल रेत से पानी देते हैं।

## शुरू हुआ बूंद-बूंद पानी बचाओ, झुग्गी-झुग्गी पढ़ाओ अभिया

जागरुकता रथ को कलेक्टर ने दिखाई हरी झंडी, बच्चों में वितरित की शिक्षण सामग्री

■ न्यू साधना न्यूज, छतरपुर।

दर्शन महिला कल्याण समिति ने वर्षा जल को सहेजने और झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले परिवारों के बच्चों को शिक्षित बनाने के उद्देश्य से बूंद-बूंद पानी बचाओ, झुग्गी-झुग्गी पढ़ाओ अभियान का शुभारंभ किया है। सोमवार को कलेक्टर संदीप जी आर ने अभियान के जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जो 15 जून तक गांव-गांव जाकर लोगों को जागरुक करेगा। वहीं कलेक्टर ने झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले परिवारों के बच्चों को शिक्षण सामग्री भी भेंट की।

दर्शन महिला कल्याण समिति की सचिव प्रभा वैद्य ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उक्त



अभियान के तहत जो रथ रवाना किया गया है वह ग्रामीण अंचलों में जाकर लोगों को वर्षा जल सहित व्यर्थ बहने

वाले जल को सहेजने के लिए जागरुक व लोगों को वर्षा जल संरक्षित करने के तरीके बताकर उन्हें अपनाने की अपील जाएगी। श्रीमती प्रभा वैद्य ने बताया कि अलावा समिति के संस्थापक स्व. चीनी की प्रेरणा से समिति के सदस्यों ने के विभिन्न इलाकों में झुग्गी-झोपड़ी ब रहने वाले गरीब परिवारों के बच्चों शिक्षित बनाने का निर्णय लिया है। लिए समिति ने शहर के अलग-अलग पर 5 केन्द्र बनाए हैं जहां गरीब परिवार बच्चों को शिक्षा दी जाएगी। जिन बच्च पढ़ाया जाना है उन्हें कलेक्टर ने शिक्षण सामग्री कर पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित किया।

## स्व सहायता समूह की महिलाओं को उड़द के बीज का वितरण किया गया

खजुराहो। कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी राजकिशोर श्रीवास्तव द्वारा मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत एनआरईटीपी परियोजना के शिवाकांत मिश्रा व दर्शना एनजीओ से राजेश पांडेय की मौजूदगी में स्व सहायता समूह की महिलाओं को जैविक खेती का प्रशिक्षण देते हुए खरीफ फसल की उड़द के बीज का वितरण कराया गया।





## मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड

विश्व में प्रसिद्ध एवं इतिहास के पन्नों पर इंगित खजुरोहों पर्यटन स्थल जो कि शिल्प कला के लिए प्रसिद्ध है। 950 ईसवी से 1050 ईसवी के बीच चन्देल राजाओं द्वारा यहां बहुत बड़ी मात्रा में मंदिरों का निर्माण कराया गया। खजुराहों शहर पूरे विश्व में मुड़े हुये पत्थरों से निर्मित मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। इसके इलावा खजुराहों को अलंकृत मंदिरों के लिए भी जाना जाता है। जो कि देश का सर्वोत्कृष्ट मध्य कालीन स्मारक है।

यहां वर्ष में हजारों पर्यटकों का आना जाना लगा रहता है। यहां के पर्यटन से आसपास के ग्रामों को लोगों का राजगार प्राप्त होता है। चूंकि बुन्देलखण्ड में स्थित खजुराहों में बन्देलीभाषा, बुन्देलीकला, संस्कृति, व्यजन की झलक दिखती है। जो पर्यटकों को काफी प्रभावित करती है। साथ ही खजुराहों आस पास के ग्राम प्राकृतिक शोन्दर्य, नदी, पहाड़ियों से भरापड़ा है। जिसके लिए विदेशी एवं देशी शैलानी आस-पास के ग्रामों का भी भ्रमण करते हैं।

पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से वर्ष 2018 में मध्यप्रदेश टूरिज्म के साथसंस्था द्वारा ग्रामीण पर्यटन परियोजना की शुरुआत की गई।

### परियोजना का उद्देश्य –

मध्यप्रदेश में बहु आयामी पर्यटन स्थलों का विकास करना एवं उनमें गुणात्मक एवं सख्यात्मक वृद्धि कर पर्यटन स्थलों को स्थापित करना।

### किये जाने वाले कार्य :-

1. मध्य प्रदेश में सांस्कृतिक अनुभव, स्थायित्व व पूर्ण जुम्मेदार टूरिज्म को स्थापित कर पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करना।
2. स्थानीय समुदाय हेतु सतत आजीविका के साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर आर्थिक जीवन में सुधार लाना।
3. सांस्कृतिक शैक्षणिक पर्यावरण संबन्धि एवं स्थानीय जीवन शैली से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देना।
4. पर्यटकों को ग्रामीण जीवन शैली के प्रदर्शनसस्ती/मितव्ययी एवं गुणवत्ता पूर्ण सुविधाएं तथा उक्त अनुभवको अविस्मरणीय बनाने हेतु ग्रामीण पर्यटन का व्यवस्थित व सुनियोजित बिकास करना।
5. स्थानीय ग्रामीण जीवन की दैनिक गतिविधियों का संचालन करते हुये जेण्डर एवं सामाजिक फेम वर्क में सन्तुलन स्थापित करना।

स्थानीय सांस्कृतिक आधार पर ग्रामवार निम्न विवरण तैयार किया गया।

- आवास-सभी ग्रामों में कच्चे, पक्के मकान निर्मित हैं। कच्चे मकानों में बुन्देली सांस्कृतिक की क्षमता मिलती है। कच्चे मकानों में कला कृतियां हैं मिट्टी से बने घरों में लकड़ी से पटवा बना हुआ है। खाड



खुडई में आदिवासी समुदाय के कच्चे मकानों में अनाज रखने हेतु मिट्टी की कुडिया बनी हुये

- भडेरी अनाज पीसने वाली पत्थर की चकिया आदि घरों के अंदर उपलब्ध है।
- इतिहास—यह चारों ग्राम 100 वर्ष से ज्यादा पुराने इन सभी ग्रामों की स्थापना मुख्य रूप से एक किसी परिवार द्वारा किये गये।
- भौगोलिक विशेषताये—रनगुवां ग्राम पहाडी के पास है यहां पर केन नदी पर बना हुआ रनगुवां बधा है ग्राम में छोटी-छोटी पहाडी है शेष तीनों ग्राम के न नदी के किनारे बसे हुये है।
- रहन-सहन— इन ग्रामों में बुन्देली संस्कृति से रहन सहन है यहां पर अब ज्यादा तर परिवार एक ही घर में छोटे-छोटे हिस्सों में रहते है परिवार में खाना पहनना आदि बुन्देली है।
- वस्त्रभूषण— धोती कुर्ता, कुर्ता पैजामा, बंडी पैजामा, साडी
- खेलकूद—लकडी, खो-खो, रस्सा-कस्सी, गिल्लीडंडा, हूलगदा, कंन्चा, लुका, चंदापउआ, कब्बडी, चपेटा,
- संगीत बाघयंत्र —सारंगी, हारमोनियम, झीका, कीर्तन
- स्थानीय पकवान—कडी, डुबरी, महेरी, सन्नाटा, बुंदी के लड्डू, लटा, बिरचुन, सत्तू



अन्य —ग्राम के खान-पानपहनाव के साथ-साथ शाम की चौपाल, त्योहारों का मनाने का तरीका आपसी भाई चारा जो ग्रामों को शहरों से अलग बनाता है।

### ग्राममेंहोम स्टे हेतुचिन्हांकितहितग्राही।

क्र	ग्राम का नाम	हितग्राही
1	रनगुवां	राघवेन्द्रसिंह
2	खाड खुडई	गुडियागौडआदिवासी, मेमरानीगौडआदिवासी
3	नारायणपुरा	जीत सिंह, राजेन्द्र सिंह
4	बसाटा	रामचरनपाल

## दर्शना वृद्ध सेवा आश्रम

संस्था द्वारा अपने उद्देश्यों के अनु रूप असहाय वृद्धजनों की सेवा हेतु दर्शना वृद्ध सेवा आश्रम का संचालन वर्ष 2003 से लगातार सफलता पूर्वक किया जा रहा है। वृद्ध सेवा आश्रम का संचालन सामाजिक न्याय विभाग छतरपुर के वित्तिय सहयोग से किया जा रहा है। वृद्ध सेवा आश्रम में ऐसे वृद्ध जनजिन की उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक हो गई है परिवार से ठुकराये एवं निराश्रित वृद्ध जन तथा जिसका कोई भी सहयोगी नहीं है। मानसिक रूप से स्वास्थ्य हो एवं किसी असाध्य बीमारी से पीडित न हो, या जो अपना जीवन सम्मानपूर्वक नहीं जी पा रहे है। वह सम्मान पूर्वक अपना जीवन जीस कें यह प्रयास संस्था की ओर से किया जा रहा है।

### लक्ष्य :-

- वृद्ध सेवा आश्रम में ऐसे वृद्ध जनजिन की उम्र 60 वर्ष से अधिक है जिनकी कोई भी सेवा करने को तैयार नहीं है व असहाय है एवं जो अपना जीवन सम्मानपूर्वक नहीं जी पा रहे उनको सहारा देना।
- जिनके बच्चों ने उन्हें उनके भाग्य पर छोड़ दिया है सहारा देने की वजह रास्ता अलग कर लिया है उनको सहारा देना।
- ऐसे वृद्धजनों को आश्रम में प्रवेश देने के बाद उनके परिवारजनों से नियमित सम्पर्क करना एवं उन्हे समझाना की माता-पिता की सेवा करना उनका परमकर्तव्य है।
- हमारा मुख्य लक्ष्य है कि वृद्धजनों को आश्रम में आने के बाद उनके परिवार को समझाइश के पश्चात खुशी-खुशी घर वापसी करवाना।
- 

### वृद्ध सेवा आश्रम के द्वारा की जाने वाली गतिविधियां :-

- सुबह-सुबहसभी वृद्धजनों के द्वारा ईश्वर स्मरण एवं ध्यान
- अल्प आहार स्वरूप चाय एवं नास्ता
- भोजन प्रसाद ग्रहण करना
- पेपर पढना, सत्संग, चर्चा एवं चाय
- योग (व्यायाम) एवं खेल (चंदा-पउआ, कैरम, सांपसीढी, लूडो, पडागोटी आदि)
- वृद्धजनों के शारीरिक संचार, पर्यावरण के संरक्षण एवं समय बिताने हेतु अखबार से लिफाफा तैयार करना।
- रात्रि भोजन एवं विश्राम

### वृद्ध सेवा आश्रम के आंकड़े एक नजर में

आश्रम में 2023-24 में दर्ज वृद्ध		
पुरुष	महिला	कुल
15	21	36

आश्रम में 2023-24 में घर वापिस वृद्ध		
पुरुष	महिला	कुल
07	05	12

आश्रममें 2023-24 में मृत वृद्ध		
पुरुष	महिला	कुल
00	00	00

### अंतरराष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस

दर्शना वृद्ध सेवा आश्रम में छतरपुर में अंतरराष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का प्रति वर्ष आयोजन किया जाता है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सुबह से आश्रम परिसर में उल्लास देखा गया। आश्रम परिसर में अनेक प्रकार की खेल प्रतियोगिता की गई जिसमें सभी वृद्धों ने भागलिया आश्रम परिसर में स्थित मंदिर के सामने एवं गेट पर आकर्षित रंगोली बनाई गई जिसने अतिथियों का मन मोहलिया खेल प्रतियोगिता में अनेक प्रकार के खेल जैसे चंदा पऊआ, कुर्सीदौड, लूडोआदि खेलों का ढोलक एवं तालियां बजाकर से किये गये। प्रतियोगिता में आये प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थानपर आये वृद्धों को सामाजिक न्याय विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम श्रीमान् कलेक्टर महोदय द्वारा श्रीफल, साल, पुरस्कार दिये गये।

वृद्ध सेवा आश्रम में गांधी जयंती का आयोजन किया गया आश्रम परिसर में कई प्रकार में पेडल गाकर वृक्षारोपण किया तथा उसके बाद भजन संध्या का आयोजन किया गया।

**स्वास्थ्य परीक्षण**—जिलाअस्पतालमें समय-समय पर वृद्धों का स्वास्थ्य परिक्षणआश्रम एवं जिला परिसर परकरायागयाप्रातः की क्रियाए पूर्ण करने के बाद सुबह 08 बजे से 10 बजे तकस्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें वृद्धों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा विरितकी।

**खेलप्रतियोगिताएँ**—खेल प्रतियोगिताओं में वृद्धों द्वारा बढ चढ कर भागेदारी की गई। जिसमे कैरम, चंदापऊआ, नौगोटी एव रंगोली आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उक्त सभी प्रतियोगिताओं में विजेताओं और उपविजेताओं को सामाजिक न्याय विभाग के कार्यक्रम में विधायक एवं अन्य जनप्रति निधियों द्वारा सम्मानित किया गया।

**अन्य त्योहार**—दर्शना वृद्ध सेवा आश्रम में सभी त्योहारों को बडे हर्ष उल्लास से मनाया जाता है त्योहारों कोमनाने के लिये जिले से कई अधिकारी वृद्ध आश्रम में आते है और वृद्धों के साथ त्योहारों को मनाते है।

वृद्ध आश्रम में दशहरा, दीपावली, होली, हरछट, सन्तानसप्तमी, रक्षाबंधन आदि त्योहार का आयोजन किया जाता है सभी धर्मों के त्योहारो को वृद्धसेवाआश्रम मेंउत्सव के रूप में मनाया जाता है।संस्था के सदस्य एवं सभी समाज सेवी एकत्र होकर त्योहार के लिए निश्चित व्यवस्थाओं के अनुसार मनाते है। इसमे गीत, संगीत एवं पूजा आदि की व्यवस्था की जाती है। जिससे वृद्धोंको अपने घर जैसा एहसास होताहै।



**आश्रम में जन्मोत्सव एवं अन्य आयोजन**—दर्शना वृद्ध सेवा आश्रम में शहर से अन्य नागरिकस्कूल के बच्चे, शासकीय अधिकारीगण लोग आश्रम में आकर अपना जन्मदिन एवं विवाह की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आश्रम में वृद्धों से आर्शिवाद लेकर मनाते हैं एवं वृद्धों को फल एवं भोजन भी कराते हैं।

### **वृद्धजन हेतु विधिक सहायता शिविर का आयोजन**

वृद्धों की सहायता हेतु कानून के द्वारा उन्हें सहायता दिलाने हेतु विधिक सहायता शिविर का आयोजन भी समय-समय पर न्यायालय द्वारा माननीय न्यायाधीश महोदय की उपस्थिति में किया जाता है तथा वृद्धों को उनकी सहायता हेतु कानून की जानकारी दी जाती है।

### **अन्य व्यवस्थायें जनसहयोग से—**

- आश्रम में वृद्धों को शर्दी से बचाने हेतु नहाने के लिए गर्म पानी हेतु गीजर की व्यवस्था
- शीतल पेय जल हेतु आर.ओ. एवं फ्रिज की व्यवस्था
- गर्मी से बचाव हेतु सभी कक्षों में कूलर एवं पखों की व्यवस्था
- कपड़े साफ करने हेतु वासिंग मशीन की व्यवस्था
- मनोरंजन हेतु टीवी एवं समाचार पत्र की व्यवस्था

### **वृद्धों से सौजन्य भेंट एवं आश्रम का अकस्मिक निरीक्षण**

दर्शना वृद्ध सेवा आश्रम में वृद्धों से उनका हाल चाल पूछने एवं उनके साथ समय गुजारने उन्हें फल, मीठा भोजन आदि खिलाने आश्रम में हमेशा शहर के आमजनों स्कूल कॉलेज के बच्चों के अलावा शासकीय अधिकारी, कर्मचारी एवं शासनप्रशासन के लोग सांसद महोदय, विधायक महोदय, केन्द्रीय मंत्री, कलेक्टर महोदय, न्यायाधीश महोदय, पुलिसनिरीक्षक महोदय, उपसंचालक सामाजिकन्याय विभाग के सभी लोग समय-समय पर आश्रम का भ्रमण करते रहते हैं तथा दिशा-निर्देश देते रहते हैं। उक्त सभी लोगों ने आश्रम का भ्रमण कर आश्रम के वृद्धों से चर्चा करत था साफ-सफाई की प्रशंसा, आश्रम की प्रशंसा आश्रम की सुझाव पंजी में अंकित की है।

**वृद्ध सेवा आश्रम में संचालित गति विधियां**—दर्शना वृद्ध सेवा आश्रम में वृद्धों को संगीतमय रामायण का पाठ कई वर्षों से किया जा रहा है। दोपहर के समय धार्मिक गीता का पाठ पढ़कर सुनाया जाता है। वृद्धों से उनकी क्षमता अनुसार योगा कराया जाता है वृद्धों के मनोरंजन के लिए कैरम, चंदापऊआ, पठागोटी आदि खेल एवं टीवी के माध्यम से धार्मिक कार्यक्रम द्वारा वृद्ध मनोरंजन करते हैं।

## खेल एवं प्रतियोगिता



**परियोजना का नाम** — दीनदयाल अन्त्योदय योजना नगर पालिका परिषद छतरपुर (म.प्र.)

**कार्यक्षेत्र**—नगरीय क्षेत्र नगरपालिका छतरपुर (म.प्र.)

**उद्देश्य** —

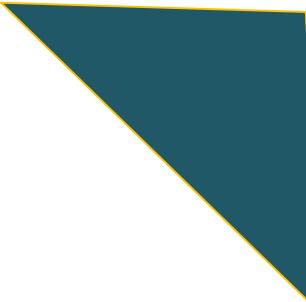
1. शहरी गरीबों को रोजगार से जोड़ना।
2. आजीविका से जोड़ना।
3. शहरी गरीबों को स्वनिर्मित संस्थाओं की स्थापना के लिए प्रेरित करना।
4. शहरी गरीबों को सामाजिक आर्थिक सेवाएं उपलब्ध कराना।
5. कौशल विकास करना।
6. शहरी गरीबों को वित्तीय संस्थाओं से जोड़ना।

**लक्ष्य** —

क्रमांक	वर्ष	समूहगठन	आवर्ती निधी	बैंकलिकेज	फंडरेशनALF
1	2023—24	316	265	231	20

**गतिविधियां एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया**

1. वर्डों का सर्वेक्षण।
2. शहरी गरीबों की पहचान।
3. शहरी गरीबों की बैठक एवं चर्चा।
4. स्वसहायता समूहों का गठन।
5. बैंक खाता खुलवाना।
6. नगर पालिका से बैठक रजिस्टर उपलब्ध करवाना।
7. समूहों की आवर्ती निधी निकलवाना।

- 
8. समूहों को बैंक के माध्यम से लोन निकलवाना।
  9. समूहों की आय के स्रोत प्रारंभ कराना।
  10. एरिया लेबलफेडरेशन निर्माण एवं पंजीयन
  11. सिटी लेबलफेडरेशन निर्माण एवं पंजीयन।
  12. समूहों को अन्य योजना से जोड़ कर लाभ दिलाना।







